सीखना और सेवा अर्पित करना

सिद्धयोग सिखावनियों का अभ्यास करते युवा सिद्धयोगी

श्री मुक्तानन्द आश्रम

विश्वभर से परिवार श्री मुक्तानन्द आश्रम में आकर, एस.वाय.डी.ए. फ़ाउन्डेशन को सम्बल प्रदान करने हेतु अपनी सेवाएँ अर्पित करते हैं। अपने परिवार के साथ आश्रम में रहते हुए, बच्चे और युवा साधक सिद्धयोग सिखावनियों और अभ्यासों जैसे नामसंकीर्तन, ध्यान, सेवा, दक्षिणा और हठयोग के बारे में सीखते हैं। वे अक़्सर भारतीय ग्रन्थों में लिखी गई कथाओं को सुनते हैं और इन कहानियों को रचनात्मक नाटक द्वारा अभिव्यक्त करते हैं। वे जो सीखते हैं, उसे कला और संगीतमय प्रस्तुतियों द्वारा आपस में बाँटते भी हैं। बच्चे कुकीज़ बनाने व बगीचे में कार्य करने जैसी सेवा अर्पित करने में आनन्द लेते हैं। युवा किशोर अक़्सर सीखने में और सेवा अर्पित करने में, बच्चों की मदद करते हैं। इसके साथ ही वे एस.वाय.डी.ए. फ़ाउन्डेशन के विभागों में जैसे मल्टीमीडिया और संगीत विभाग में सेवा का कौशल सीखते हैं।

यह गैलेरी हमें कई तरीक़ों में से, ऐसे ही कुछ तरीक़े दिखाती है जिनसे युवा सिद्धयोगी, सिद्धयोग सिखावनियों के बारे में सीखते हैं और उनका अनुभव करते हैं।

©२०१८ एस.वाय.डी.ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।